

आईआईटी को दो स्थान का फायदा आईआईएम एक स्थान नीचे गिरा

शिक्षा मंत्रालय की एनआईआरएफ रैंकिंग घोषित, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी टॉप-100 में भी नहीं

इंदौर » दबंग रिपोर्ट

शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को नेशनल इंस्टीट्यूशनल फ्रेम वर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग-2023 घोषित कर दी है। शहर के आईआईएम इंदौर की रैंकिंग इसमें एक स्थान नीचे आई है, लेकिन आईआईटी इंदौर दो स्थान ऊपर गया है। इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट संस्थानों में आईआईटी और आईआईएम का दबदबा कायम है। टॉप-10 इंजीनियरिंग कॉलेजों में पहले नौ पायदान पर केवल आईआईटी और एनआईटी हैं, तो वहीं टॉप-फाइव मैनेजमेंट संस्थानों में भी चार आईआईएम के अलावा एक आईआईटी हैं। वहीं पिछली कई बार की तरह इस बार भी देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी को टॉप-100 यूनिवर्सिटी में भी जगह नहीं मिली है। गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज ने अपनी रैंकिंग सुधार करते हुए देशभर में 32वां स्थान पाया है।

एनआईआरएफ रैंकिंग-2023 में आईआईएम इंदौर ने देशभर के



मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में आठवीं रैंक हासिल की है। 2022 में आईआईएम इंदौर को सातवीं रैंक हासिल हुई थी। इस प्रकार आईआईएम इंदौर को पिछले साल यानी 2022 के मुकाबले एक स्थान का नुकसान हुआ है। वहीं, इंजीनियरिंग कैटेगरी में आईआईटी इंदौर की रैंकिंग पिछले साल की तुलना में दो स्थान है। आईआईटी इंदौर इस साल 14वें स्थान पर रही है। 2022 में आईआईटी इंदौर को 16वां स्थान प्राप्त हुआ था। आईआईटी इंदौर को ओवरऑल कैटेगरी में भी फायदा हुआ है। ओवरऑल रैंकिंग में आईआईटी इंदौर इस साल 28वें स्थान पर है।

पिछले साल यानी 2022 में आईआईटी इंदौर को ओवर ऑल कैटेगरी में 30वां स्थान मिला था। 2019 में आईआईटी इंदौर की रैंकिंग 23वीं थी।

एनआईआरएफ रैंकिंग में आईआईएम इंदौर की रैंक लगातार कम हो रही है। आईआईएम इंदौर की 2019 में अब तक की सबसे बेहतर पांचवीं रैंक आई थी तो वहीं 2020 में यह गिरकर सातवीं रैंक हो गई थी। इसके बाद आईआईएम इंदौर ने 2021 में फिर छठवीं रैंक हासिल की थी। लेकिन पिछले दो साल से आईआईएम इंदौर की रैंकिंग लगातार गिर रही है। आईआईएम इंदौर को 2022 में सातवीं रैंक तो इस साल

32वें स्थान पर आया डेंटल कॉलेज

डेंटल कैटेगरी में शहर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज की रैंकिंग में भी सात पायदान का सुधार हुआ है। देश के शीर्ष डेंटल कॉलेजों की सूची में इंदौर का गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज 32वें स्थान पर है। उसे 51.63 अंक मिले हैं। पिछले साल डेंटल कॉलेज को 39वां स्थान मिला था। वहीं 2021 में भी डेंटल कॉलेज को 32वां स्थान प्राप्त हुआ था। एनआईआरएफ के माध्यम से हर साल केदीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा यह रैंकिंग जारी की जाती है। इसमें भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों, कॉलेजों की लिस्ट जारी की जाती है। एनआईआरएफ रैंकिंग की शुरुआत 2015 में हुई थी। शिक्षा मंत्रालय की टीम द्वारा कुल 5 मुख्य पैरामीटर और 16 सब-पैरामीटर पर परखा जाता है। अलग-अलग टीम हर संस्थान में जाकर तय मानकों के आधार पर उनका मूल्यांकन करती है। रैंकिंग के 5 मुख्य पैरामीटर में पहला टीचिंग, लर्निंग और रिसोर्स, दूसरा रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, तीसरा ग्रेजुएशन आउट कम, चौथा आउट रीच और इन्क्लूसिविटी और पांचवा पीयर परसेप्शन पैरामीटर है।

2023 में आठवीं रैंक प्राप्त हुई है। आईआईएम इंदौर को 2016 में दसवीं, 2017 में दसवीं और 2018 में 11वीं रैंक प्राप्त हुई थी। आईआईएम इंदौर को एनआईआरएफ रैंकिंग 2022 में 70.66 अंक प्राप्त हुए थे। लेकिन इस साल आईआईएम को रैंकिंग में तो एक पायदान का नुकसान हुआ है लेकिन उसके अंक में सुधार है। आईआईएम इंदौर को इस साल 71.95 अंक प्राप्त हुए हैं। इसी तरह

आईआईटी इंदौर को एनआईआरएफ रैंकिंग 2022 में 61.68 अंक प्राप्त हुए थे। लेकिन इस साल आईआईटी को रैंकिंग में दो पायदान का फायदा होने के साथ ही 63.93 अंक प्राप्त हुए हैं। आईआईटी इंदौर के ओवरऑल कैटेगरी में तीन पायदान का फायदा होने के साथ ही उसके अंक में सुधार है। पिछले साल आईआईटी इंदौर को जहां 55.13 अंक मिले थे तो वहीं इस साल 58.00 अंक मिले हैं।